held in New Delhi on 3rd February, 1970 and Government's orders on the Board's recommendations are expected to be issued shortly.

संसद सदस्यों के अपने स्थायी निवास स्थानों तथा गांवों में टेलीफोन लगाना

1623. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने संसद सदस्यों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में अपने गांव में या अपने स्थायी निवास स्थान में टेलीफोन लगाने के लिए अनुरोध किया है ;

(ख) क्या यह सच है कि गांवों में, जहां प्रति टेलीफोन काल का शुल्क शहरों की अपेक्षा अधिक है, निःशुल्क टेलीफान काल शहरों की तुलना में कम करने की अनुमति है; और

(ग) यदि हां, तो गांवों में रहने वाले संसद् सदस्यों के प्रति भेदभाव करने के क्या कारण हैं ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) : (क) संसद् सदस्यों के लिए आवास तथा टेलीफोन सुविधा संशोधन नियमावली, 1969 के अन्तर्गत उनके निर्वाचन-क्षेत्र या स्थायी निवास स्थान में टेलीफोन लगाने के लिए 20-2-70 तक संसद सदस्यों से 516 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं।

(ख) टेलीफोन शहरों में लगे हों या गांवों में, स्थानीय टेलीफोन काल का प्रभार समान है। दोनों मामलों में समान निःशुल्क काल करने की अनुमति है।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

डाकुओं वाले क्षेत्रों में भू-सुधार कार्य

1624. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में डाकुओं से त्रस्त कितने क्षेत्र और कन्दराओं का सुधार किया गया है; और

(ख) इससे डाकू-समस्या को हल करने में कहां तक सहायता मिली है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे) : (क) खोह खड्डयुक्त भूमि के सुधार में छोटे और मध्यम खोह खड्डो को कृषि और गहरे खोह-खड्डों को वन रोपण के लिये सुधारना सम्मिलित है। खोह-खड्डों भूमि वाले चार राज्यों में गत तीन वर्षों (1966-67 से 1968-69) में सुधारी गयी भूमि का क्षेत्र निम्न प्रकार है।

उत्तर प्रदेश	88838 एकड़
मध्य प्रदेश	9522 एकड़
राजस्थान	3650 एकड़
गुजरात	79024 एकड़

(ख) उस क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिये खोह खड्डयुक्त भूमि को विशिष्ट कृषि कार्यों के उपयुक्त बनाना डाकू-समस्या को सामना करने के अनेक उपायों में से केवल एक उपाय है। डाकू समस्या के नियंत्रण में केवल इस उपाय द्वारा कितनी सफलता मिली है यह बताना कठिन होगा।

Action against Cooperative Societies

1625. SHRI S. K. TAPURIAH : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether his attention has been drawn to the complaint of the Delhi Administration Cooperatives Department towards the carelessness of Delhi Police in not bringing to book many of the Cooperative Societies for misappropriation of funds and other irregularities;